पंजाब केसरी 30/09/2025

स्वयं सहायता समूह समाज में परिवर्तन के महत्वपूर्ण साधन : डॉ. रोहित दत्त

अम्बाला, 29 सितम्बर (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाइयों द्वारा स्वयं सहायता समूहों (सैल्फ हैल्प ग्रुप्स) पर लघु फिल्म की स्क्रीनिंग की गई। इस फिल्म में आत्मनिर्भरता, सामुदायिक सशक्तिकरण तथा सामाजिक विकास में स्वयं सहायता समूहों की अहम भूमिका को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. चंद्रपाल पूनिया और डॉ. पिंकी गुप्ता ने प्रतिभागियों को सामाजिक उत्तरदायित्व एवं आत्मनिर्भरता के संदेश से जोड़ने का प्रयास किया।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण और शहरी समाज में परिवर्तन के महत्वपूर्ण साधन हैं। ये न केवल महिलाओं और युवाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करते हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और सामूहिक सहयोग की भावना भी विकसित करते हैं। शिक्षा संस्थानों की जिम्मेंदारी है कि वे विद्यार्थियों को केवल अकादमिक उत्कृष्टता ही नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ें। इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करते हैं। गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज और इसकी सभी एन.एस.एस. इकाइयां निरंतर विद्यार्थियों एवं समाज को आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करती रही हैं और आगे भी करती रहेंगी।

कॉलेज के एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चंद्रपाल पूनिया और डॉ. पिंकी गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों में नैतिक आचरण तथा दूसरों की मदद करने की भावना विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को प्रेरित करते हैं कि वे सदैव समाजसेवा और सहयोग के लिए तत्पर रहें। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वयं सहायता समूहों के महत्व से परिचित कराना तथा उनके जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव को उजागर करना था। इस आयोजन में एन.एस.एस. के सदस्य प्रो. श्याम रहेजा, प्रो. हर्षिता लाम्बा एवं प्रो. गीती बिंद्रा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में स्वयं सहायता समूहों पर लघु फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान एन.एस.एस. इकाइयों के स्वयंसेवक। (चंद्रमोहन)